Punjab Kesri

UNICEF

Date: 19-09-2007 | Edition: Delhi | Page: 8 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 13 H: 10

Clip: 1 of 1

दिल्ली में जल निकासी और स्वच्छता पर दूसरे आईएलए कार्यक्रम का उद्घाटन

नई दिल्ली, (सं.): सैकण्ड इंटरनैशनल लर्निंग एक्सचेंज प्रोग्राम का उद्घाटन करते हुए केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह ने कहा कि 'भारत आजादी के बाद से ही जल और जल निकासी पर भारी निवेश कर रहा है। दसवीं पंचवर्षीय योजना में भी इस क्षेत्र के लिए निवेश बढ़ाया गया है। नब्बे प्रतिशत ग्रामीण आबादी तक सुरक्षित पेयजल की पहुंच हो गई है और 48 प्रतिशत ग्रामीण आबादी को शौचालयों और मल निकासी की सेवायें उपलब्ध करा दी गई हैं। यह निकासी के क्षेत्र में क्रांति का ही नतीजा है कि ये सेवायें कभी 1981 में सिर्फ एक प्रतिशत आबादी को ही मिली हुई थीं जो 2007 में 48 प्रतिशत के आंकड़े पर पहुंच गई हैं। इस तरह भारत ने इस तरह भारत ने एमडीजी को समय से पहले ही पूरा कर लिया है।

उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए यूनिसेफ इंडिया के प्रतिनिधि श्री सिसिलियो एदोर्ना ने कहा, ''गन्दा पानी और निकासी की खराब व्यवस्था इस समय दुनिया में बच्चों की मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। इंटनैशनल लर्निंग एक्सचेंज प्रोग्राम भारत में ही नहीं बल्कि तमाम विकासशील देशों में इस क्षेत्र में हुई प्रगति को गहराई से समझने और समझ विकसित करने का मौका लेकर आया है।

श्रीयुत श्री प्रकाश सिंह उत्तर प्रदेश के चन्दौली जिले में जलीलपुर पंचायत के प्रधान हैं और वह उन प्रधानों में से एक हैं जिन्होंने अपने गांव को खुले में शौच की मजबूरी से निजात दिलाई। उद्घायन सत्र को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''मल निकासी और स्वच्छता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में गांवों में निचले स्तर के कार्यकर्त्ताओं की भूमिका बहुत अहम है। अगर उन्हें समुचित ढंग से सशक्त बनाया जाए तो कार्यक्रम के लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।''

इस अवसर पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ग्रामीण विकास मंत्रालय के पेयजल आपूर्ति विभाग की सचिव श्रीमती शान्त शीला नायर और संयुक्त सचिव श्री अमिताभ भट्टाचार्य भी शामिल थे। कार्यक्रम में बंगलादेश, बुर्किना फासो, कम्बोडिया, डेनमार्क, जिबूती, जापान, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, मोजाम्बीक, नेपाल, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, सेनेगल, सूडान, वियतनाम, यमन, जाम्बिया और जिम्बाब्वे समेत 20 देशों के 80 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।